Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN(o): 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 9.134
Volume - 9, Issue - 6, June - 2026

DOIs:10.2018/SS/202606008 --:-- Research Paper / Article / Review

विद्यालयी शिक्षा में व्यावसायिक, सांस्कृतिक एवं मूल्य आधारित पाठ्यचर्या विकसित करने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 की भूमिका: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्रियंका सिंह
सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र, स्कूल ऑफ एजुकेशन
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय(हल्द्वानी), नैनीताल
priyankasingh@uou.ac.in

सारांश(Abstract) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020, ने विद्यालयी शिक्षा में व्यावसायिक,सांस्कृतिक एवं मूल्य आधारित पाठ्यचर्या के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रस्तुत शोध पत्र में NEP-2020 द्वारा विद्यालयी शिक्षा की पाठ्यचर्या को बहुआयामी, व्यावसायिक,सांस्कृतिक एवं मूल्य आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। NEP-2020 विद्यालयी स्तर पर भारतीय ज्ञान परम्परा (IKS) एवं तकनीकी पर आधारित व्यावसायिक शिक्षा का प्रारंभिक समावेश, स्थानीय कला–संस्कृति से जुड़ी गतिविधियों का संवर्धन तथा नैतिक मूल्यों, संविधानिक आदर्शों और जीवन कौशलों को पाठ्यचर्या में अंतर्निहित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम को केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न रखते हुए, छात्रों के व्यावहारिक अनुभव, सांस्कृतिक जागरूकता, और नैतिक मूल्यों को समाहित करने हुए व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने के लिए कक्षा 6 से ही व्यावसायिक कौशलों को पाठ्यचर्या में शामिल करने पर जोर दिया है | NEP-2020 का उद्देश्य छात्रों में रोजगारोपयोगी कौशल, सांस्कृतिक चेतना, नैतिक उत्तरदायित्व और 21वीं सदी की आवश्यकता के अनुसार क्षमताओं का विकास सुनिश्चित करना है। NEP-2020 भारतीय भाषाओं, स्थानीय कला, और संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ विद्यालयी पाठ्यक्रम को लचीला और रचनात्मक बनाकर ज्ञान, कौशल और मूल्यों के बीच के अलगाव को समाप्त करता है। यह नीति भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक चुनौतियों के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल के बीच संतुलन स्थापित करते हुए एक समान, समावेशी और जीवंत ज्ञानी समाज के निर्माण की नींव रखती है।

मुख्य शब्द: राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020, व्यावसायिक शिक्षा, सांस्कृतिक पाठ्यचर्या, मूल्य शिक्षा, समग्र विकास ।

1. प्रस्तावना(Introduction)

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास की आधारशिला होती है। भारत में शिक्षा व्यवस्था सदैव बदलते सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप विकसित होती रही है। समय के साथ समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं में आए व्यापक परिवर्तनों के लिए शिक्षा प्रणाली को तैयार करना अति आवश्यक है। 21वीं सदी में तीव्र वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, रोजगार के बदलते स्वरूप तथा नैतिक-सांस्कृतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यालयी शिक्षा के स्वरूप को नए सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता प्रतीत होती है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है । साथ ही राष्ट्रीय आकांशा एवं विकास की अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। " राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 21वीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति है, जिसका लक्ष्य हमारे देश के विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है। यह नीति भारत की परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार को बरक़रार रखते हुए, 21वीं सदी की शिक्षा के लिए आकांक्षात्मक लक्ष्यों,जिनमें एसडीजी 4 शामिल हैं, के संयोजन में शिक्षा व्यवस्था, उसके नियमन और गवर्नेंस सहित, सभी पक्षों के सुधार और पुनर्गठन का प्रस्ताव रखती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मक क्षमताओं के विकास पर विशेष जोर देती है। यह नीति इस सिद्धांत पर आधारित है कि शिक्षा से न केवल साक्षरता और संख्याज्ञान जैसी 'बुनियादी क्षमताओं' के साथ-साथ 'उच्चतर स्तर' की तार्किक और समस्या-समाधान संबंधी संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास होना चाहिए बल्कि नैतिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर भी व्यक्ति का विकास होना आवश्यक है"(राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020)। NEP-2020, विद्यार्थियों को समग्र, बहुआयामी एवं भविष्य-उन्मुख शिक्षा प्रदान करने का दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। NEP-2020 का

केंद्रीय उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि छात्रों में व्यावसायिक दक्षताएँ, भारतीय सांस्कृतिक बोध,तथा मूल्यों एवं जीवन-कौशलों का विकास करना है ताकि वे न केवल रोजगार के योग्य बन सकें, बल्कि जिम्मेदार, नैतिक और संवेदनशील नागरिक भी बनें। नीति विद्यालयी स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के प्रारंभिक परिचय, स्थानीय कलाओं और परंपराओं के संरक्षण, खेल-कला आधारित शिक्षण, और भारतीय ज्ञान परंपरा(IKS) के समावेशन पर विशेष बल देती है। यह समावेश एक ऐसी पाठ्यचर्या को जन्म देता है जो संज्ञानात्मक, भावनात्मक तथा व्यवहारिक तीनों स्तरों पर छात्र का संतुलित विकास सुनिश्चित करती है।

2.शोध के उद्देश्य (Objectives of the Study)

1.राष्ट्रीय शिक्षा नीति)NEP)-2020 विद्यालयी शिक्षा,पाठ्यचर्या में व्यावसायिक शिक्षा को समावेशित करने संबंधित प्रावधानों का विश्लेषण करना।.
2.विद्यालयी शिक्षा की पाठ्यचर्या में सांस्कृतिक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा)IKS(आधारित पाठ्यचर्या के विकास में NEP-2020 की भूमिका का अध्ययन करना।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति)NEP)-2020 में निहित मूल्य कौशल उन्मुख शिक्षा के तत्वों की पहचान एवं उनके प्रभाव-आधारित एवं जीवन-का विश्लेषण करना।
4.विद्यालयी शिक्षा में व्यावसायिक, सांस्कृतिक और मूल्य आधारित पाठ्यचर्या के एकीकरण एवं क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों व संभावनाओं का आकलन करना।

3.राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 एवं व्यावसायिक शिक्षा

NEP-2020 विद्यालयी शिक्षा पाठ्यचर्या में व्यावसायिक शिक्षा को अभिन्न अंग बनाने की दिशा में व्यापक और दूरगामी प्रावधान करती है। यह शिक्षा प्रणाली को ज्ञान-केंद्रित से आगे बढ़ाकर कौशल-केंद्रित, बहुआयामी और रोजगारोन्मुख बनाती है। इसके लागू होने से विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम होंगे, बल्कि व्यावहारिक जीवन तथा व्यावसाय कुशलता के लिए तैयार होंगे। NEP-2020 कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा को पाठ्यचर्या का अभिन्न अंग बनाने पर जोर देती है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्कूली शिक्षा से ही कार्य-आधारित शिक्षा से जोड़ना है। इसमें स्थानीय परिस्थितियों, उद्योग और आजीविका से संबंधित कौशलों का प्रशिक्षण शामिल होगा।इससे छात्रों में स्कूली शिक्षा से ही कार्य के प्रति सम्मान, उद्यमशीलता और जीवनोपयोगी कौशल विकसित होंगे। NEP-2020 में कक्षा 6–8 के लिए "Bagless Days" की अवधारणा दी गई है, जिनमें छात्र विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में हैंड्स-ऑन गतिविधियाँ करेंगे।इसमें स्थानीय कारीगरों, कारीगर समूहों, उद्योग इकाइयों आदि के साथ गतिविधियाँ शामिल होंगी। इन गतिविधियाँ से विद्यार्थियों को व्यवहारिक जीवन और कार्य से सीधे जुड़ेने में आसानी होगी और experiential learning को बढ़ावा मिलेगा । नीति में Computer Science, Coding, AI, Robotics, 3D Printing, Renewable Energy आदि। 21वीं सदी के कौशलों को व्यावसायिक शिक्षा का हिस्सा बनाने की सिफारिश की है। यह विद्यार्थियों को आधुनिक रोजगार बाजार के अनुरूप तैयार करेगी । Arts–Science–Commerce की पारंपरिक धाराओं को समाप्त कर छात्र व्यावसायिक विषयों को अकादमिक विषयों के साथ ले सकेंगे। जिससें व्यावसायिक शिक्षा को और कौशल शिक्षा को बढ़ावा NEP-2020 का एक बड़ा लक्ष्य है कि 2025 तक 50% विद्यार्थी व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े हों। इसके लिए स्कूली स्तर पर पर्याप्त संसाधन और आधारभूत संरचनाएँ विकसित की जाएँगी।

4. विद्यालयी शिक्षा पाठ्यचर्या का भारतीयकरण : NEP-2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 विद्यालयी पाठ्यचर्या (Curriculum) को भारतीय संस्कृति, मूल्यों, और ज्ञान परंपराओं (Indian Knowledge Systems - IKS) पर आधारित करने में एक केंद्रीय और परिवर्तनकारी भूमिका निभाती है। इसका उद्देश्य छात्रों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना और उनमें राष्ट्रीय गौरव की भावना को विकसित करना है। NEP-2020 स्पष्ट रूप से एक ऐसे पाठ्यक्रम की वकालत करती है जो भारत-केंद्रित (India-centric) हो और जिसमें निम्नलिखित तत्व समाहित हों:- **भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS):** विज्ञान, गणित, खगोल विज्ञान, कला, चिकित्सा (जैसे आयुर्वेद), दर्शन, और भाषा विज्ञान में भारत के योगदान को पाठ्यचर्या में सटीक और वैज्ञानिक तरीके से शामिल करना। **कला और संस्कृति का एकीकरण:** शिक्षा के सभी स्तरों पर कला एकीकरण (Art Integration) को अनिवार्य बनाना। भारतीय कला, संगीत, नृत्य, रंगमंच, और शिल्प को केवल अलग विषय के रूप में नहीं, बल्कि अन्य विषयों को पढ़ाने के माध्यम के रूप में प्रयोग करना। **मूल्यों पर आधारित शिक्षा:** शिक्षा का लक्ष्य ऐसे छात्रों को तैयार करना है जिनमें मानवीय और संवैधानिक मूल्यों करुणा :जैसे), सेवा, सत्य, शांति, त्यागकी गहरी भावना हो। (
मातृभाषा में शिक्षण: कम से कम ग्रेड 5तथा ग्रेड तक 8 शिक्षण का माध्यम मातृभाषास्थानीय भाष/ा क्षेत्रीय भाषा होना चाहिए।/ यह छात्रों को जटिल अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है और उन्हें अपनी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को सहजता से व्यक्त करने का अवसर देता है।

त्रि:भाषा सूत्र का लचीलापन- बच्चों को भारत की शास्त्रीय और विदेशी भाषाओं, विशेष रूप से संस्कृत, के अध्ययन का अवसर प्रदान करना, जिसे NEP-महत्वपूर्ण" एक 2020, वैज्ञानिक रूप से संरचित और समृद्धभाषा मानती है। "
स्थानीय कला और शिल्प :स्थानीय कारीगरों/शिल्पकारों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करना, जिससे छात्र स्थानीय ज्ञान और कौशल को सीख सकें।
प्रोजेक्ट और फील्डवर्क :भारतीय इतिहास, संस्कृति, और IKS पर आधारित प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण को-आधारित और खोज-अपनाना।

5.मूल्य) आधारित शिक्षा के प्रमुख तत्व-Key Elements of Value-Based Education)

NEP-2020,का दृष्टिकोण एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है, जो समग्र विकास)Holistic Development) पर केंद्रित हो, जहाँ सीखने की प्रक्रिया आनंददायक, एकीकृत और अनुभवआधारित- हो। नीति इस बात पर बल देती है कि शिक्षा को केवल अकादमिक विषयों तक सीमित न रखकर, छात्रों को तर्कसंगत विचार, रचनात्मक कल्पना, नैतिक मूल्य, करुणा, साहस, और वैज्ञानिक सोच से युक्त एक अच्छा इंसान बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

तत्व	NEP-2020 में प्रावधान/पहचान	संभावित प्रभाव का विश्लेषण
संवैधानिक एवं मानवीय मूल्य	संवैधानिक मूल्यों (Constitutional Values) जैसे: लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और मानवीय मूल्यों जैसे: करुणा, सेवाभाव, सम्मान, स्वच्छता और नैतिक ईमानदारी को पाठ्यचर्या का अभिन्न अंग बनाना।	छात्रों में राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का विकास होगा। वे बहुलवादी (Pluralistic) समाज में सह-अस्तित्व के लिए आवश्यक नैतिक ढाँचा विकसित करेंगे।
भारतीय ज्ञान परंपरा(IKS)	भारतीय संस्कृति, विरासत, और भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) में निहित मूल्यों और नैतिकता को विज्ञान, कला और मानविकी के साथ एकीकृत करना।	छात्रों में अपनी जड़ों के प्रति गर्व की भावना पैदा होगी। यह उन्हें पश्चिमी और भारतीय विचारों के बीच संतुलन स्थापित करने में मदद करेगा, जिससे आत्मविश्वासपूर्ण पहचान बनेगी।
चरित्र निर्माण	शिक्षा को चरित्र निर्माण (Character Building) पर केंद्रित करना, जिसमें छात्रों को सत्य, अहिंसा और शांति जैसे सिद्धांतों का महत्व समझाया जाए।	यह केवल किताबी ज्ञान नहीं देगा, बल्कि उन्हें सहिष्णुता और नैतिक व्यवहार के साथ जटिल स्थितियों का सामना करने के लिए तैयार करेगा।
सेवा और सामुदायिक जुड़ाव	सभी छात्रों को सामाजिक जुड़ाव (Social Engagement) और सेवा गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना।	छात्रों को सामुदायिक समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाएगा और उनमें नेतृत्व (Leadership) तथा सामूहिक कार्य (Teamwork) के मूल्यों का विकास करेगा।
21वीं सदी के कौशल	आलोचनात्मक चिंतन(Critical Thinking), समस्या समाधान (Problem Solving), रचनात्मकता(Creativity),सहयोग (Collaboration),और संचार(Communication) को पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति का मुख्य फोकस बनाना।	छात्र जटिल और निश्चित भविष्य के लिए तैयार होंगे। ये कौशल उन्हें रोजगार और उद्यमिता में सफल होने के लिए आवश्यक हैं।

6.पाठ्यचर्या के एकीकरण और क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों

व्यावसायिक शिक्षा के लिए तकनीकी कौशल वाले शिक्षकों तथा सांस्कृतिक एवं मूल्य शिक्षा हेतु संवेदनशील, बहुमुखी और प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता होती है। वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश विद्यालयों एवम् सरकारी विद्यालयों में ऐसे शिक्षक की कमी हैं, जिससे एकीकृत पाठ्यचर्या का प्रभावी संचालन कठिन हो जाता है। दूसरी ओर अवसंरचना और संसाधनों का अभाव भी एक बड़ा अवरोध है। व्यावसायिक कौशल के लिए कार्यशालाएं, उपकरण, मशीनें तथा स्थानीय उद्योगों से सहयोग आवश्यक है, जबकि सांस्कृतिक शिक्षा के लिए

कला, संगीत, नृत्य, साहित्यिक सामग्री और मंच की आवश्यकता होती है। ग्रामीण और संसाधन विहीन विद्यालयों में इनकी कमी- स्पष्ट दिखाई देती है।एक और चुनौती **समयसारिणी में संतुलन-** बनाना है। विद्यालयों में पहले से ही अकादमिक विषयों का बोझ अधिक है। ऐसे में व्यावसायिक, सांस्कृतिक और मूल्यआधारित गतिविधियों को समाहित करने के लिए अतिरिक्त समय-, योजना और लचीलापन चाहिए। इसके अलावा, भारत जैसे **बहुसांस्कृतिक समाज** में सांस्कृतिक सामग्री का संतुलित चयन भी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि विभिन्न समुदायों की परंपराओं और मान्यताओं का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना कठिन होता है। मूल्य-आधारित शिक्षा की सबसे बड़ी समस्या है इसका **मूल्यांकन**। नैतिक मूल्यों, चरित्र, संवेदनशीलता और व्यवहारिक गुणों का आकलन पारंपरिक परीक्षा पद्धति से संभव नहीं हो सकता है और इसके लिए नए मूल्यांकन ढाँचे विकसित करने पड़ते हैं। त्रि भाषा सूत्र-)Three-Language Formula) और मातृभाषा में शिक्षण को लागू करने के लिए सभी क्षेत्रों में पर्याप्त भाषा शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी चुनौतिपूर्ण है ।

7.अवसर एवं संभावनाएँ (Opportunities and Potential)

इन चुनौतियों के बावजूदNEP - विद्यालयी ,2020शिक्षा की पाठ्यचर्या में व्यावसायिक, सांस्कृतिक, मूल्य शिक्षा, एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली के एकीकरण और क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक संभावनाएँ पैदा करती है। जिससे सक्षम और संतुलित व्यक्तित्व का विकास होगा पाठ्यचर्या के एकीकरण से छात्रों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक, व्यावसायिक, और नैतिक पहलुओं का संतुलन सुनिश्चित होगा ।साथ ही छात्र अधिक समग्र)Holistic) और संतुलित व्यक्तित्व के रूप में विकसित होगें । NEP-2020 में कक्षा 6 से ही छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा से परिचित कराये जाने पर जोर देती है । जिसमें इंटर्नशिप, कौशल विकास और व्यावहारिक गतिविधियाँ शामिल हैं.'लोक विद्या यानी स्थानीय ज्ञान और शिल्प क्रियाओं को 'पाठ्यक्रम में शामिल करने से छात्र अपने परिवेश से जुड़कर जीवनोपयोगी कौशल सीखते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण को सुदृढ़ करते हुए 2030 तक 4 वर्षीय बीडिग्री अनिवार्य की गयी है .एड., जिससे छात्रों को दक्ष प्रशिक्षक मिल सकेगें । सांस्कृतिक और भाषा आधारित एकीकरण बहुभाषावाद का प्रोत्साहन दिया गया है, जिससे क्षेत्रीय भाषा, भारतीय भाषाएँ, साहित्य और कला को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है भारतीय संस्कृति, कलाओं तथा विरासत को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम और पाठ्य सहगामी गतिविधियों का समावेशन किया गया है। क्षेत्रीय विविधता तथा पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने के लिए अकादमियों की स्थापना और पाठ्यक्रम में समावेश किया है। मूल्य आधारित शिक्षा पाठ्यक्रम में नैतिकता, संवैधानिक मूल्य, पर्यावरण संरक्षण, सह अस्तित्व, करुणा और सहयोग को कहानियों, संवादों एवं प्रोजेक्ट्स के माध्यम से प्रस्तुत करने पर जोर दिया है ।मूल्य आधारित शिक्षा छात्रों की सोच, संवेदना और सृजनात्मकता को दिशा देती है, जिससे निष्ठा, पारदर्शिता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक समावेशिता जैसे गुणों का विकास कर सभ्य नागरिक बनने की कल्पना की है । यही कल्पना भारत को21वीं सदी में विश्व गुरु बनाने में सहायक होगी ।

8.निष्कर्ष-:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति)NEP)-2020 विद्यालयी शिक्षा को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप पुनर्गठित करने वाला एक युगांतकारी दस्तावेज है। यह नीति केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावसायिक प्रशिक्षण, सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों के एकीकरण पर जोर देती है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बुनियादी ढांचे में निवेश और शिक्षकों के प्रशिक्षण के साथ विषयक दृष्टिकोण अपनाकर यह नीति शिक्षा-साथ सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव आवश्यक है। मातृभाषा में शिक्षण और बहु- को अधिक सुगम और व्यावहारिक बनाती है। इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति में भारतीय मूल्यों को समाहित करना है, ताकि ऐसे नागरिकों का निर्माण हो सके जो तकनीकी रूप से सक्षम हों और जिनमें उद्यमिता व सामाजिक दायित्व का गहरा बोध हो।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1.राजपूत, जे. एस. (2021). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: नए भारत का विजन. प्रभात प्रकाशन।
2.तिवारी, एस., एवं मिश्रा, ए (2022), भारतीय शिक्षा में मूल्य, संस्कृति और कौशल. अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।
3.गांधी, एम. के. (1937),नई तालीम: बुनियादी शिक्षा. सर्व सेवा संघ प्रकाशन (व्यावसायिक शिक्षा के ऐतिहासिक संदर्भ के लिए)।
4.शर्मा, आर. एन. (2020), शिक्षा में मानव मूल्य और नैतिकता. सुरजीत पब्लिकेशन्स.
5.कस्तूरीरंगन, के. (2019), राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा 2019. शिक्षा मंत्रालय. (नीति बनने से पहले की सिफारिशों को समझने के लिए)।
7.कुमार, वी., एवं सिंह, पी (2023), NEP 2020 के संदर्भ में व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण: चुनौतियाँ और संभावनाएँ. भारतीय शैक्षिक शोध पत्रिका, 42(1), 56-68.

8.जोशी, ए. (2022). विद्यालयी पाठ्यक्रम में भारतीय संस्कृति और मूल्यों का समावेश: एक आलोचनात्मक अध्ययन. शिक्षा विमर्श, 15(2), 112-125।
9.चौधरी, एस. (2021). 21वीं सदी के कौशल और मूल्य आधारित शिक्षा: NEP 2020 की भूमिका. Journal of Indian Education, 47(4), 45-60।
10.गुप्ता, एम. (2024). माध्यमिक स्तर पर कौशल विकास की आवश्यकता और NEP 2020 का रोडमैप. एजुकेशनल इनीशिएटिव्स, 10(1), 88-95.
11.PSS Central Institute of Vocational Education (PSSCIVE) (n.d.), Vocational Education Curriculum for Schools. http://www.psscive.ac.in
12 . शिक्षा मंत्रालय. (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. भारत सरकार।
https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_Hindi_0.pdf.
13.राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT), 2023 विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-SE) 2023. एनसीईआरटी।
14.शिक्षा मंत्रालय(2021) सार्थक (SARTHAQ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के लिए छात्र और शिक्षक समग्र उन्नति योजना. भारत सरकार।
15.कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) 2015, राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमिता नीति 2015. भारत सरकार।
16.भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग (IKS Division) 2022,भारतीय ज्ञान परंपरा: एक परिचय. शिक्षा मंत्रालय।
17.NITI Aayog (2018). Strategy for New India @ 75 (Education and Skill Development Section).